



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

स. 31] नई दिल्ली, शुक्रवार, जनवरी 16, 1987/पाँच 26, 1908
No. 31] NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 16, 1987/PAUSA 26, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, 15 जनवरी, 1987

अधिसूचना

सा का नि 38 (अ) —संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति इसके द्वारा, भारतीय विदेश सेवा (आचरण एवं अनुशासन) नियम, 1961 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, यानी —

- 1 (1) ये नियम भारतीय विदेश सेवा (आचरण एवं अनुशासन) संशोधन नियम, 1986 कहलायेंगे।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को लागू हो जाएंगे।

2 भारतीय विदेश सेवा (आचरण एवं अनुशासन) नियम, 1961 में नियम 8 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, यानी —

“8 विदेशी के साथ विवाह पर प्रतिबंध —

(1) इस सेवा का कोई भी सदस्य सरकार की लिखित रूप से पूर्व अनुमति के बिना भारतीय नागरिक से इतर किसी अन्य व्यक्ति से विवाह नहीं करेगा।

(2) इस सेवा का सदस्य, जो भारतीय नागरिक से इतर किसी व्यक्ति से विवाह करना चाहता है, इसके लिए लिखित आवेदन-पत्र प्रस्तुत करके पूर्व अनुमति लेगा। यह आवेदन-पत्र विदेश मंत्रालय में भारत सरकार के विदेश सचिव का संबंधित किया जाएगा जिसमें उस व्यक्ति का नाम आयु, पता, व्यवसाय तथा राष्ट्रिकता का विवरण दिया हो और आवेदन-पत्र पर सरकार का निर्णय एक वर्ष के अन्दर आवेदक को भेज दिया जाएगा जब तक कि सरकार इसकी अवधि बढ़ाने दे जिसके कारण उक्त अवधि के अन्दर लिखित रूप में रिकार्ड कर लिए जाएंगे और उसकी सूचना आवेदक को भेज दी जाएगी।

लेकिन इस प्रकार की अवधि एक वर्ष की प्रारंभिक अवधि की समाप्ति की तारीख से एक वर्ष से अधिक नहीं बढ़ाई जाएगी ।

(3) यदि इस सेवा का कोई सदस्य सरकार की पूर्व लिखित अनुमति लिए बिना भारतीय नागरिक से इतर किसी व्यक्ति से विवाह करता है तो उसे सेवा से हटाया जा सकता है ।

(4) सरकार इस सेवा के किसी सदस्य को भारतीय नागरिक से इतर किसी अन्य व्यक्ति के साथ विवाह करने की सख्ती करने की अनुमति अस्वीकार कर सकती है यदि वह यह समझे कि इस विवाह से यदि इसकी अनुमति दी जाए, इस सेवा के सदस्य द्वारा अपने कर्तव्यों का यथोचित पालन करने पर या विदेश के साथ सौख्यपूर्ण संबंध रखने पर या जन हित में प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है ।

(5) सरकार अनुमति को अस्वीकार करने से पहले सेवा के सदस्य को इसके विपरीत कारण बताने का अवसर प्रदान कर सकती है ।

(6) भारतीय नागरिक से इतर किसी व्यक्ति से विवाह करने के लिए सेवा के किसी सदस्य को अनुमति दिए जाने के संबंध में निर्णय लेने की स्थिति में सरकार ऐसी शर्तें निर्धारित कर सकती है जा वह उचित समझे जिसमें यह शर्त भी शामिल है कि विदेशी पति/पत्नी को उपर्युक्त समयावधि के अन्दर भारतीय नागरिकता प्राप्त कर लेनी चाहिए ।”

[सं. 1/जी ए/87]

पी. एल. सिनाई, अपर सचिव

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

New Delhi, the 15th January, 1987

NOTIFICATION

G.S.R. 38(E).—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution the President hereby makes the following rules further to amend the Indian Foreign Service (Conduct and Discipline) Rules, 1961, namely :—

1. (1) These rules may be called the Indian Foreign Service (Conduct and Discipline) Amendment Rules, 1986.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Indian Foreign Service (Conduct and Discipline) Rules, 1961, for rule 8, the following rule shall be substituted, namely :—

“8. Restriction on marriage with Foreigner:—

(1) No member of the Service shall contract a marriage with any person other than an Indian citizen without the prior permission in writing of the Government.

(2) A member of the Service who intends to contract a marriage with a person other than an Indian citizen shall seek prior permission for the same by submitting a written application addressed to the Foreign Secretary to the Government of India in the Ministry of External Affairs giving details of the name, age, address, occupation and nationality of the person and the decision of the Government on the application shall be communicated to the applicant within a period of one year unless the Government, for reasons to be recorded in writing and communicated to the applicant within the said period, extends it :

Provided that no such period of extension shall exceed a period of one year from the date of expiry of the initial period of one year.

(3) If a member of the Service contracts marriage with a person other than an Indian citizen without obtaining prior written permission of the Government, he shall be liable to be removed from the Service.

(4) Government may refuse permission to a member of the Service to contract a marriage with a person other than an Indian citizen if it considers that the marriage, if permitted, may prejudicially affect the due and proper performance of the duties of the member of the Service, or the maintenance of friendly relations with a foreign State or in the public interest.

(5) Government may give the member of the Service an opportunity to show cause to the contrary before permission is refused.

(6) In the event of a decision being taken to grant permission to a member of the Service to contract a marriage with a person other than an Indian citizen, the Government may stipulate such conditions as it may deem appropriate including the condition that the foreign spouse should acquire Indian citizenship within a reasonable period of time.”

[No. 1/GA/87]

P. L. SINAI, Addl. Secy.